

संजीवनी पाठ्यलय संचालन

प्रक्षा आठवीं विषय दैनंदी प्राप्ति पाठ - ५

Page - २७

उत्तर १. शब्दों के सार्थक मेल को शब्द पढ़ते हैं। जैसे:-

वाम, काम।

शब्द और पद में अन्तरः - प्रत्येक स्वतंत्र सार्थक वर्ण समुद्र शब्द पढ़लाता है। लीकेन जब उसी शब्द को वाक्य में प्रयुक्त किया जाए तब वह स्वतंत्र नहीं रहता। वाक्य वाक्य में प्रयुक्त होकर नियमों के बंध पाता है और तब वह पद पढ़लाता है।

उत्तर २ सही (✓) और गलत (✗) को निशाने लगाओ।

(ए) ✓ (ब) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

उत्तर ३ निम्न शब्दों के तद्रूप रूप लिखाओ:-

गाना - गिनती मनुष्य - मानव, मनुख

जिक्का - जीख क्षीर - शर्करा

दृश्य - दृष्टि रागी - बीजार

लंजड़ा - लांड छूट्यु - भैत, भृण

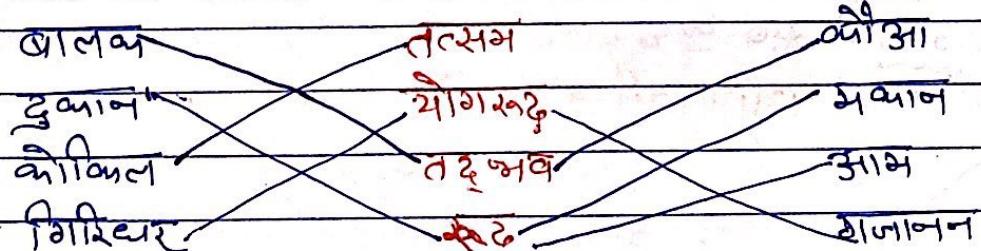
उत्तर ४ शीर्षक के अनुसार क्रीमियत शब्दों को लिखाओ:-

अंरवी :- अंरित, तारीख, नाल, दिसाब।

प्लाइसी :- चूल्हा, बुलाक, झूट, नान।

पुतगाली :- सालुन, आलू, अमरा, गमला।

उत्तर ५ दिए गए शब्दों को उनके सही शीर्षक से रेक्षा द्वारा लिखाओ।



प्रश्न शब्द ज्ञेय के आधार पर सही उत्तर (✓) निशाने लगाओ;

अंरवी (तद्रूप / तत्सम) चूल्हा (प्लाइसी / प्लाइसी)

अलभरी (अंरवी / पुतगाली) मनुष्य (मनुख / चूल्हा)

त्याकरण पाठः ५

Page No - 31

प्रश्न 1. पर्यायवाची शब्द लिखें बहो हैं?

उत्तर जिन शब्दों के अर्थ समान होते हैं, उन्हें पर्यायवाची या समानार्थी शब्द बहो हैं।

प्रश्न 2. निम्न गाए पर्यायवाची शब्दों में से जो अलग वर्ग के हैं उन पर (X) का नियन्त्रण लगाइए।

अ) पंचज = नीरज तोयज जलद

ख) पवन = सभीर अनल वायु

ग) आपात = बादल अंबर त्याम

घ) वादल = पथोद वारिद जलीय

ड) आग = पावक ओनल अग्नि

प्रश्न 3. निम्न वाचों में उत्तिर्ण शब्द छाँट कर निलिखाएँ।

(अ) शौर कुएँ में अपनी पुरद्धार्द्ध देख पर गरज पड़ा। (हाथा | परद्धार्द्ध)

(ख) रामचरित मानस द्विन्दुओं का महान गुंप है। (पुस्तक | गुंप)

(ग) छुठ बोलना पाप है।

(पाप | अपराध)

(घ) भुजे आपके अपवाह पर कुख्य है।

(कुख्य | अपवाह)

प्रश्न 4. रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखो:-

अ) नीरज को जेजावर सहजी अंगीवा लो।

सैवक

ख) नरेशबाला भेदभावी पूजा करती है।

रीति

ग) अशोक ने पानी पी लिया।

जल

घ) बंदर ने अपेक्षा घाँट डाले।

वंस्त्र

ड) अंयकर आग ने सब कुछ जाला दिया।

अग्निन

प्रश्न 5. रेखांकित पर्यायवाची शब्दों को निम्नादर्श।

अ) आलू पलापीत, अतुरानन, तिव्याता

ख) पशु पावक, अनल, आग

ग) पतनी शीद, अंबु, त्रस्त्य

घ) अग्नि छार, चौपाचा, जानवर

ड) शृद्धा वामा, आपी, बहु

Ques

हिन्दी टाइपों का प्रयोग - ५

Page - ३५

- प्रश्न १.** कौनसे शब्दों से अनियत वाक्य मुख्य रूपान्तर मुश्लिम बीजिए।
- इनमें से वरीदा में उसपल होने का समाचार सुननेर मुझे दुख हुआ।
 - सोहन जन्म से ही शारीरिक रूप से दुर्बल है।
 - समाचार पत्र का आभंतन मूल्य ३ रुपये है।
 - दृमे अपने देश पर विवरना चाहते हैं।
 - मोहन प्रीरक्षण से अपने सभी वार्षिक धूरा भरता है।
- प्रश्न २.** कौनसे प्रयोग द्वारा निम्न शब्दों के अर्थ का उत्तर स्पष्ट कीजिए।
- उपयोग :- विद्युतीयों के लिए प्रस्तुत बहुत उपयोगी होती है।
 - प्रयोग :- शब्दों का सदी प्रयोग बरना चाहते हैं।
 - साधारण :- अनुष्ठप को साधारण जीवन उच्च विचार के आधार पर बनाया।
 - सामान्य :- गुद्ध वाल्द सामान्य तौर पर एक सा अर्थ होते हैं।
 - अनुपम :- दिमालय का सान्दर्भ अनुपम है।
 - अद्वितीय :- चाँद की सुन्दरता अद्वितीय है।
 - आधार :- आधारता हर चीज की अनियत है।
 - पर्याप्त :- मेरे पास पर्याप्त जोखन है।
- प्रश्न ३.** निम्न व्याख्यित शब्दों के रूपान्तर पर उपयोग तात्पाद्य वा प्रयोग कर के दोनों वाक्य लिखिए।
- ईवर की दृष्टि से सभी वार्षिक धूर्ण हो गए।
 - ईवर की छुपा से सभी वार्षिक धूर्ण हो गए।
 - दृमे भारतीय होने पर व्यभूद है।
 - दृमे भारतीय होने पर गाव है।
 - यह समाचार पत्र बहुत प्राचीन है।
 - यह समाचार पत्र बहुत पुराना है।
 - जीव दृष्टि अपराध है।
 - जीव दृष्टि पाप है।
 - रेल दुर्घटना में दस लोगों का निवारण हो गया।
 - रेल दुर्घटना में दस लोग भर गए।

प्र० १ विलोम काहद विषे बहते हैं?

Page - 36

प्र० २ विलोम काहद विषे बहते हैं?

उत्तर एक - दूसरे का विपरीत अर्थ प्रयोग करने वाले शब्दों का विलोम
काहद बहते हैं।

प्र० ३ दंगीन दूपे बहते वालों का विलोम लिखिए। (उत्तर)

(अ) अच्छे बच्चे बारात नहीं बरते।

बान्दे

(ब) सुभेद्या वीर बड़ी बदन आ गई।

दोटी

(ग) बंधन कार्त हार गई।

जीत

(घ) रघुन द्वंद्या युवा रहती है।

उदास

(ङ.) सुरीभ शावाहारी युवती है।

मांसाहारी

प्र० ४ दिए गए शब्दों के विलोम काहद शाली स्वान में लिखिए।

(अ) तन्त्री ने बड़वा खीरा नहीं खाया। (अधीन)

(ब) बल्पना ने अगलास में दूध डाला।

(निपाला)

(ग) रजत अगली पंक्ति में बैठा है।

(पिघली)

(घ) स्वतंत्र ने तुरंत उत्तर दे दिया।

(प्र० ५)

(ङ.) भुजल वीष्टी पतली है।

(मोटी)

प्र० ५. दिए गए शब्दों के विलोम पर (v) चिक्कन लगाओ।

अ परदेशी - विदेशी देश स्वदेशी

ब सुनना - सुनाना बोलना बामोड़ी

ग अनावटी - नवली असली अकृतिभ

द. भुखी - बेवज्जुल अज्ञानी विदुवान

इ विशेष - सामान्य रास अद्विष्टु

प्र० ६ निम्न शब्दों के ऊपर विलोम काहद द्वारा दिए लिखिए।

पुसना निपलना आभद्री रथ्य आलसी वर्ष्ण

संख्या अलायम सीधा उल्ला गाढ़ा पतला

पिपलना जमना रेसा उम्हासा बाहरी नीतरी

ध्रान्यीन नवीन

प्र० ७. निम्न शब्दों का विलोम लिखो।

अदातमा दुरात्मा

घ) उद्वार अनुदार (ग) चंचल - रिक्त

संनरोप निरन्तर

इ) वीर वायर (च) शुभति जुमति (द) सुखद - दुखद

हिन्दी व्याकरण पाठ-५

Page - 38 - 39

प्रश्न।

प्रश्ननं शब्दों के दो - दो अर्थ प्रत्येक।

अ तार विजली की तार, टेलीग्राम एवं उद्यागा कोयल, राखा इसां साथु

ब हर प्रत्येक, हरण करना या अनां सीधा हीन, आवाज संन्पासी

प्रश्न १२ जोक्षण में दिए शब्दों का सही अर्थ खाली - रचान में लिखें।

अ आजूति के विषय में तुम्हारा व्या कियार है। (मत)

ब विद्यों के गोले में हार डाले गए। (माला)

ग सीधों में शहद का सेवन करना चाहें। (मध्य)

द साथु ने बालकुछा को पुरदान दिया। (वर)

३० रमन, बमल, अनीता, सुषमा पुरेरह शोर भया रहे थे। (आदि)

प्रश्न ३ निम्नालिखित शब्दों का निम्न गए अर्थ के अनुसार लाक्षों में प्रकोष्ठा करें।

पट (दखाया) दीन को देख और उन्हें पट बंद कर लिए।

पट (डोट) बिलों को पट का सहारा दें।

ज्ञेद (रहस्य) जादू का ज्ञेद समझना आसान नहीं है।

ज्ञेद (प्रवार) किया के दो ज्ञेद होते हैं।

उत्तर (जवाब) इस प्रश्न का सही उत्तर दीजिए।

उत्तर (एकादशा) उत्तर यारों दिशाओं में से एक दिशा का नाम है।

पानी (जल) पानी के बिना जीवन संभव नहीं है।

पानी (चमक) भौंती पानी से ही पहचाना जाता है।

उपाभा (यमुना) उपाभा और उपाभा का संबंध अट्ट है।

उपाभा (बोयल) बोयल को उपाभा की बहते हैं।

हिन्दी व्याकरण पाठ-५

Page - 40, 41

प्रश्न।

निम्न वाचपादों के निम्न एक शब्द लिखिए।

अ जिससे जान - पहचान न हो अनजान डॉ पीड़ियर्मी देंगे से संविधित

ब निरीक्ष के अनुसार = पात्रनात्र

ग जो पढ़ने लायक न हो - अपठनीक

द जो पढ़ा - निलखा न हो - अनपढ़

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों में से कौन है, उन्हें नीलीखण्ड।

अ) पारिषुद्धियः - पर्याप्ति के बदले निम्नलिखित वाला व्यक्ति।

ब) आविष्यः - जिसके अने वीर्तीय निरूपित न हो।

ग) निराकृदेव्यः - जिसके बोई उद्देश्य न हो।

घ) श्रावणवाक्यः - श्रावण का व्यापर।

ड) सत्याकारीः - जिन्होंने व्यवहार करने वाला।

प्रश्न 3. वाच्यों में रंगीन द्वेष शब्दों के बदले इस शब्द नीलीखण्ड।

अ) शुकेश्वर को पारिषुद्धि के बदले निम्नलिखित वाला व्यक्ति। पारिषुद्धियः

ब) पाठत विद्युत्पात्र आदर व्यापर के बोध्य है। आदरणीय

ग) जिसके पास व्यक्ति न हो। उसे कोई नहीं पूछता। निव्यक्ति

घ) मांस खाने वाला व्यक्ति आविष्य वीभार होता है। मांसादारी

ड) सत्पेन्द्र व्यापक वाला मुकुल है। अस्पेन्द्रावी

प्रश्न 4. सही अर्थ पर गोला लगाइए।

उपदेशात् उपदेश सुनने वाला

अस्पृश्यः (जिसका स्पर्श व्यापक वाजन हो)

वक्ता व्यापक सुनने वाला

दर्शनीयः जो देखता न हो

उपदेश देने वाला

जो स्पर्श न करता हो

व्यापक देने वाला

जो देखने योग्य हो

प्रश्न 5. निम्न वाक्यों में अर्थ स्पष्ट व्याख्या दीजिए।

अ) अव्यय - जो बहाने जा सके

ब) वैरोद्ध - सो लाभ

अचंक - बिना घटके

भोड़ - गोद

ग) वांचर - होय पत्त्यर

ग) झंजन - पक्षी

गिरावर - दास

खेजर - भाँड़

प्रश्न 6. वाच्यों में प्रयोग व्यापक अर्थ स्पष्ट व्याख्या दीजिए।

अ) गुहीटीः - गुहाती दर व्यर वी गोआ होती है।

ब) गुहातीः - गुहाती व्यक्ति जो सेवा करना आविष्यक है।

घ) तथा :- अमीर तथा गरीब के बीच वी दूरी खो व्यापक व्यापक है।

तथा :- यदा याद तदा राद। (जब जागो तब स्वेच्छा)

प्र० १२

ग. दिव्यः - स्पामी विवेकानन्द दिव्य ज्ञातमा थे।

दिव्यः - दिव्या बहुत से विचारिनों से ज्ञान होता है।

घ. पगः - पामन अवगान ने घार पग में घार लोब नाप लिए थे।
पगः - भारतीय संस्कृत में पग का विवेक भवन्तव होता है।

इ. निष्ठिः - पारदशी स्पेदी के कारण कोई निष्ठित दिखाई नहीं दी।
निष्ठिः - देवता ऊनेक कार राक्षसों से अपनीहि रहते थे।

प्र० ३. संदीशाद् त्रुनवार शाली स्पान में ज्ञान।

अ. इवेत वस्त्रों में राजकुमार उत्तमा लग रहा था। (सृष्टि/इवेत)

धूप वी ओँओं से तृष्णा निवल गया। (तृष्णा/त्राण)

बलावती श्रान्ते:- श्रान्ते जवान हो गई। (श्रीना/श्रान्ते:- श्रान्ते)

साँप को देखकर सुनीता के होश उड़ गए। (हाँस/होश)

रामचारण मानस उवल्यी में लिखा गया है। (उवल्यी/उवलीय)

प्र० ४. श्राद्धों पो उत्तित अर्चों से निभलाइए

अस्त
अस्तु

त्रिष्णा

पारदशी

त्रुष्णा

त्रुष्णे

नव

नान

हास

होस

त्रौमा

दास

उत्तमा

दोषा पर्यट

द्विपना

हुसी

समृह

त्रिराष्ट्र

इठल

नया

Ques